| 99   | मथ नतनम् । जानाम् । जानाम                            |     |  |
|--|--|-----|--|
| 1  | नरनं नृत्यं नृत्तं च लास्यं नात्यं च ताएडवम् ॥ २०० ॥ |     |  |
| 2  | मएडलेन तु यहत्यं स्त्रीणां कृष्टीसकं कि तद्।         |     |  |
| 3  | पानगोष्ट्रामुचतालं कार्या                            |     |  |
| 4  | रणो वीर्जयन्तिका ॥ २८१ ॥                             | ò   |  |
| 5  | स्थानं नाट्यस्य रङ्गः स्या-                          |     |  |
| 6  | त्पूर्वरङ्ग उपक्रमः।                                 |     |  |
| 7  | म्रङ्गकारो ४ङ्गविदोपो जाना जाना ।                    | 200 |  |
| 8  | व्यञ्जको प्रभिनयः समी ॥ २८२ ॥                        | 教   |  |
| 9  | स चतुर्विध म्रान्हार्या रचिता भूषणादिना ।            | 1   |  |
| 10   | वचसा वाचिका उङ्गेनाङ्गिकः सह्येन साह्यिकः ॥ २८३॥     |     |  |
| 11   | स्याद्राटकं प्रकर्णं भाणाः प्रकृतनं डिमः।            | 75  |  |
| 12   |  | 85  |  |
| 13   | म्रभिनेयप्रकाराः स्यु-निकास्त्र क्रिकेटिक            |     |  |
| 14   |  |     |  |
| 15   | भारती सावती कैशिकार्भिया च वृत्तयः ॥ २८५ ॥           | 31  |  |
| 99. 1. Tanz (7 W.). — 2. Ein von Frauen ausgeführter Rund- |  |     |  |
| tanz.  | - 3. Tanz im Trinkhause 4. Kriegstanz 5. Bühne.      | 10  |  |
| 0. V   | orspiel zum nâtja. — 7. Gesticulation (2 W.) _ 8 A   | 10  |  |

199. 1. Tanz (7 W.). — 2. Ein von Frauen ausgeführter Rundtanz. — 3. Tanz im Trinkhause. — 4. Kriegstanz. — 5. Bühne. — 6. Vorspiel zum nâtja. — 7. Gesticulation (2 W.). — 8. Ausdruck der Gefühle (2 W.). — 9. 10. Dieser wird auf vierfache Art zu Wege gebracht: durch die Tracht, durch die Rede, durch die Glieder und durch die körperlichen Zustände (Weinen, Bleichwerden u. s. w.). (Für jede Art ein besonderer Ausdruck). — 11—13. Zehn Arten dramatischer Spiele. — 14. Sanskrit u. s. w. sind die sechs Sprachen im Drama. — 15. Die vier Darstellungsmittel im Drama: der Vortrag, die körperlichen Zustände (Weinen, Lachen,